



निबंधन संख्या पी0टी0-40

बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 9 पटना, बुधवार, 10 फाल्गुन 1938 (श0)
1 मार्च 2017 (ई0)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं। 2-21	भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक। ---
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश। ---	भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है। ---
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि। ---	भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक। ---
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि ---	भाग-9—विज्ञापन ---
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि। 22-23	भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं ---
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण। ---	भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि। 24-24
भाग-4—बिहार अधिनियम ---	पूरक ---
	पूरक-क 25-27

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएं

पटना उच्च न्यायालय

अधिसूचनाएं

10 नवम्बर 2016

सं० 484 नि०—श्री सत्य नारायण शिवहरे, असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि), वर्तमान में अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, छपरा, को दिनांक 26.11.2016 को अवर न्यायाधीश न्यायालय के स्थापना के उपरान्त सोनपुर के अवर न्यायाधीश, के रूप में स्थानांतरित किया जाता है। वे साधारणतः सोनपुर में अधिष्ठित रहेंगे।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 10th November, 2016

No. 484 A—Sri Satya Narayan Sheohare, Civil Judge (Senior Division) presently posted as Sub Judge-cum-A.C.J.M., Chapra is transferred and posted as Sub Judge, Sonapur in the Judgeship of Saran to be stationed ordinarily at Sonapur on establishment of the Court of Sub Judge at Sonapur on 26.11.2016.

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

10 नवम्बर 2016

सं० 485 नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर मुंसिफ एवं उच्च न्यायालय द्वारा दंडाधिकारी की आवश्यक शक्तियाँ प्रदान किये जाने पर न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पदाधिकारी को आवश्यकतानुसार, बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्ट बिहार एमेंडमेंट ऐक्ट-2013 (ऐक्ट XIV, 2014) द्वारा संबोधित बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्ट्स ऐक्ट, 1887 (ऐक्ट XII, 1887) की धारा-19 की उपधारा (2) के अन्तर्गत उक्त तालिका के स्तम्भ-4 में यथानिर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के भीतर होने वाले मौलिक वादों की साधारण प्रक्रिया के अधीन निष्पादन की शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

सम्बन्धित पदाधिकारी को उसी स्तम्भ-4 में निर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकारी के अन्दर लघुवाद न्यायालय द्वारा संज्ञेय वादों के निष्पादन के लिए ऐसे न्यायालय के न्यायाधीश की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं।

स्तम्भ-4 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग तबतक नहीं किया जाय जबतक कि वे बिहार राज्य पत्र या जिला राज्यपत्र में अधिसूचित न हो जायें।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान जजी सहित	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहा नियुक्त कि गये हैं	नये स्थान पर अधिकारियों को प्रदान की गयी विशेष शक्तियाँ अ) बंगाल, आगरा एण्ड आसाम सिविल कोर्ट ऐक्ट के अंतर्गत (साधारण प्रक्रिया) ब) प्रोविन्सीयल स्मॉल कोजेज कोर्ट्स ऐक्ट 1987 के अंतर्गत
1	2	3	4
	श्री राजेश कुमार II, मुंसिफ—सह—प्रथम न्यायिक दंडाधिकारी, बिक्रमगंज। (तत्कालीन छपरा स्थानांतरण एवं पदस्थापन के आदेश में)	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) सोनपुर स) सारण	अ) सोनपुर मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) सोनपुर मुंसिफी की स्थानी सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 10th November, 2016

No. 485 A— The judicial officer of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below is appointed as Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) in the judgeship and station mentioned in the column no. 3.

As mentioned in column no. 4, the officer is also vested with the powers under Sub-section (2) of Section-19 of the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Acts, 1887, (act XII of 1887) as amended by the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Bihar Amendment Act, 2013 (Act 14 of 2014) to try under ordinary procedure original suits of Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

As further mentioned in column no. 4, the officer is also vested with powers of the Court of small causes for the trial of suits cognizable by such a Court with the necessary Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

The powers vested as per column no. 4, should not, however, be exercised by the officer concerned unless it is published in the Bihar Gazette or in the District Gazette.

Sl. No.	Name of the Officer with designation and present place of posting with judgeship	a) Designation at the new station. b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily. c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Special Power with which the Officer is vested at the new station a) Under the Bengal, Agra and Assam Civil Court Acts (under ordinary procedure). b) Under the provincial small causes Courts Act, 1987
1	2	3	4
1	Sri Rajesh Kumar II, Munsif-cum-J.M., Bikramganj (Under orders of transfer and posting at Saran at Chapra)	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Sonepur c) Saran	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Sonepur Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Sonepur Munsifi.

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

15 नवम्बर 2016

सं० 486 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) को स्तंभ-3 में उनकी नाम के सामने अंकित जिला के लिए द्वितीय श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती है।

क्रम सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	जिला का नाम
1	2	3
1.	श्री जुनेद आलम, परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश, (कनीय कोटि), जमुई।	जमुई
2.	श्री आशीष कुमार अग्निहोत्री, परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि), पूर्णिया।	पूर्णिया
3.	श्री रोहित कुमार, परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि), पूर्णिया।	पूर्णिया
4.	श्री धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय, परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश, (कनीय कोटि), किशनगंज।	किशनगंज
5.	श्री विकास कुमार, परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश, (कनीय कोटि), बांका।	बांका

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 15th November, 2016

No. 486 A—In exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Probationary Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below, the powers of a Judicial Magistrate of the 2nd Class for the District noted against their names in column no. 3 of the table.

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting	Name of the District
1.	2.	3.
1.	Sri Juned Alam, Probationary Munsif, Jamui.	Jamui
2.	Sri Ashish Kumar Agnihotri, Probationary Munsif, Purnea.	Purnea
3.	Sri Rohit Kumar, Probationary Munsif, Purnea.	Purnea
4.	Sri Dharmendra Kumar Pandey, Probationary Munsif, Kishanganj.	Kishanganj
5.	Sri Vikash Kumar, Probationary Munsif, Banka.	Banka

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

18 नवम्बर 2016

सं० 489 नि०—अपने वर्तमान कर्तव्यों से विरमित होने पर श्री बिधु भुषण पाठक, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सम्प्रति निबंधक, राज्य आयोग, उपभोक्ता संरक्षण, पटना के रूप में प्रतिनियुक्त को पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 18th November, 2016

No. 489 A—On being relieved of his present assignment, Sri Bidhu Bhushan Pathak, District and Sessions Judge, presently posted as Registrar, State Commission, Consumer Protection, Patna on deputation is transferred and posted as District and Sessions Judge of Patna.

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

18 नवम्बर 2016

सं० 490 नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारियों (असैनिक न्यायाधीश, वरीय कोर्टि) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में क्रमशः उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान पर जहाँ पर वे अधिष्ठित रहेंगे पर अवर न्यायाधीश सह अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

पुनः दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-11 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय, स्तम्भ-3 में अंकित अवर न्यायाधीश (असैनिक न्यायाधीश, वरीय कोर्टि) को उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान करता है, बशर्ते उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नए स्थान का पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी/स्थान जहाँ नियुक्त किए जाते हैं।
1	2	3
1.	श्री शहाब कौशर, अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, नवगछिया (भागलपुर), वर्तमान में सदस्य सचिव, बिहार राज्य कोर्ट प्रबंधन प्रणाली समिति, पटना उच्च न्यायालय, पटना के रूप में कार्यरत	अ) अवर न्यायाधीश ब) गया स) गया
2.	श्री कृष्ण गोपाल, विशेष कार्य पदाधिकारी (इन्फ्रास्ट्रक्चर), पटना उच्च न्यायालय, पटना (पटना)	अ) अवर न्यायाधीश ब) शिवहर स) शिवहर

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 18th November, 2016

No. 490 A—The Judicial Officers of the cadre of Civil Judge (Senior Division) named in column no. 2 of the table given below are transferred and posted as Sub Judge-cum-A.C.J.M. in the Judgeship to be stationed ordinarily at the station mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Subordinate Judges named below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned Districts, provided that they shall work in such a way that their disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the Officer, designation and present place of posting (with Judgeship)	(a) Designation at the new station. (b) Place where the Officer is to be stationed at ordinarily (c) Name of the Judgeship/place in which appointed on promotion
1.	2.	3.
1.	Sri Shahab Kausar, Sub Judge-cum-ACJM, Naugachia (Bhagalpur) Presently working as Member Secretary, Bihar State Court Management System Committee, Patna High Court, Patna	(a) Sub Judge (b) Gaya (c) Gaya
2.	Sri Krishna Gopal Officer on Special Duty (Infrastructure), Patna High Court, Patna (Patna)	(a) Sub Judge (b) Sheohar (c) Sheohar

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

18 नवम्बर 2016

सं० 491 नि०—श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव-1, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सम्प्रति प्रभारी निबंधक (आइ.टी.)—सह-सी.पी.सी., पटना उच्च न्यायालय, पटना को पटना के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 18th November, 2016

No. 491 A—Sri Om Prakash Srivastava I, Additional District and Sessions Judge, presently posted as Registrar (IT) in charge-cum-CPC, Patna High Court, Patna, is transferred and posted as Additional District and Sessions Judge of Patna.

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

21 नवम्बर 2016

सं० 493 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) को स्तंभ-3 में उनकी नाम के सामने अंकित जिला के लिए द्वितीय श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

क्रम सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	जिला का नाम
1	2	3
1.	श्री विजय कुमार मिश्रा, परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि), सिवान।	सिवान
2.	श्री आनन्द कुमार त्रिपाठी, परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि), मुंगेर।	मुंगेर

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 21st November, 2016

No. 493 A— In exercise of powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Probationary Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below, the powers of a Judicial Magistrate of the 2nd Class for the District noted against their names in column no. 3 of the table.

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting	Name of the District
1.	2.	3.
1.	Sri Vijay Kumar Mishra, Probationary Munsif, Siwan.	Siwan
2.	Sri Anand Kumar Tripathi, Probationary Munsif, Munger.	Munger

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

26 नवम्बर 2016

सं० 506 नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारियों (असैनिक न्यायाधीश, वरीय कोटि) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में क्रमशः उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान जहाँ पर वे अधिष्ठित रहेंगे पर अवर न्यायाधीश सह अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

पुनः दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-11 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय, स्तम्भ-3 में अंकित अवर न्यायाधीश (असैनिक न्यायाधीश, वरीय कोटि) को उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान करता है, बशर्ते उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नए स्थान का पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी/स्थान जहाँ नियुक्त किए जाते हैं।
1	2	3
1.	श्री पाठक आलोक कौशिक, अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पटना (पटना), वर्तमान में बिहार न्यायिक अकादमी, पटना में पदस्थापित	अ) अवर न्यायाधीश ब) बिहारशरीफ स) नालंदा
2.	श्री निशान्त कुमार प्रियदर्शी, अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पटना (पटना)	अ) अवर न्यायाधीश ब) सिवान स) सिवान
3.	श्री शुक्ल राम, अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सिवान (सिवान)	अ) अवर न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
4.	श्री कृष्ण गोपाल, विशेष कार्य पदाधिकारी, (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पटना उच्च न्यायालय, पटना जिनका स्थानान्तरण अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, शिवहर के रूप में हुआ है।	अ) अवर न्यायाधीश ब) पूर्णियाँ स) पूर्णियाँ

उच्च न्यायालय के अधिसूचना सं० 490ए दिनांक 18.11.2016 जहाँ तक इसका संबंध कंडिका सं०-4 में उल्लिखित पदाधिकारी से संबंधित है को उपरोक्त हद तक संशोधित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 26th November, 2016

No. 506 A—The Judicial Officers of the cadre of Civil Judge (Senior Division), named in column no. 2 of the table given below are transferred and posted as Sub Judge-cum-A.C.J.M. in the Judgeship to be stationed ordinarily at the station mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Subordinate Judge named below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned Districts, provided that she shall work in such a way that her disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the Officer, designation and present place of posting (with Judgeship)	a) Designation at the new station b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily c) Name of the Judgeship/place in which appointed on promotion.
1.	2.	3.
1.	Sri Pathak Alok Kaushik, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Patna (Patna) On deputation at Bihar Judicial Academy, Patna.	a) Sub Judge b) Biharsharif c) Nalanda
2.	Sri Nishant Kumar Priyadarshi, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Patna (Patna)	a) Sub Judge b) Siwan c) Siwan
3.	Sri Sukul Ram, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Siwan (Siwan)	a) Sub Judge b) Patna c) Patna
4.	Sri Krishna Gopal, Officer On Spl. Duty (Infrastructure) Patna High Court, Patna. Under orders of transfer to Sheohar as Sub Judge-cum-A.C.J.M.	a) Sub Judge b) Purnea c) Purnea

Court's notification no. 490A dated 18.11.2016 so far as it relates to transfer of officer at Serial No. 4, stands modified to the extent as above.

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

28 नवम्बर 2016

सं० 508 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) को स्तंभ-3 में उनकी नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती है।

क्रम सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	जिला का नाम
1	2	3
1.	श्री सितेश कुमार, मुंसिफ, तेघरा, (बेगूसराय)।	बेगूसराय
2.	श्री धीरज कुमार मिश्रा, मुंसिफ, बलिया, (बेगूसराय)।	बेगूसराय

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 28th November, 2016

No. 508 A— In exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Munsifs (Civil Judge, Junior Division) named in column no. 2 of the table given below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class also for the District noted against their respective names in column no. 3 of the table.

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting with judgeship	Name of the District
1	2	3
1.	Sri Sitesh Kumar, Munsif, Teghra (Begusarai)	Begusarai
2.	Sri Dhiraj Kumar Mishra, Munsif, Ballia (Begusarai)	Begusarai

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

28 नवम्बर 2016

सं० 517 नि०— दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-13 की उप-धारा (1) (अधिनियम 2, 1974) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित कार्यपालक पदाधिकारियों को न्यायालय की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष के लिए बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 के अधीन उन वादों को जिन्हें वे दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत क्षमतापूर्वक निष्पादित कर सकते हैं के निष्पादन हेतु तालिका के स्तंभ-3 में उल्लिखित क्षेत्राधिकार के लिए द्वितीय श्रेणी का विशेष न्यायिक दंडाधिकारी नियुक्त करता है।

उन्हें संहिता की धारा-261 के अंतर्गत बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 में वर्णित वादों के संक्षिप्त विचारण के लिए द्वितीय श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

उन्हें अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उन वादों में जिसका निष्पादन करने के लिए उन्हें प्राधिकृत किया गया है, संज्ञान लेने की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं स्थान जहाँ वे पदस्थापित हैं	क्षेत्राधिकार जहाँ के लिए शक्तियाँ प्रदान की जाती है।
1.	2.	3.
1.	श्री रामनिरंजन चौधरी, वरीय उप समाहर्ता, जमुई।	जमुई अनुमण्डल
2.	श्री विजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी, जमुई।	जमुई अनुमण्डल
3.	श्री संजय कुमार, उप समाहर्ता भूमि सुधार, जमुई।	जमुई अनुमण्डल
4.	श्री मिथिलेश कुमार सिंह, कार्यपालक दण्डाधिकारी, जमुई।	जमुई अनुमण्डल

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 28th November, 2016

No. 517 A—In exercise of powers conferred upon the High Court under Sub-Section (1) of Section 13 of the Code of Criminal Procedure 1973 (Act 2 of 1974) the executive Officers named in column no. 2 of the table given below are appointed as Special Judicial Magistrate 2nd Class for a period of one year with effect from the date of notification within the territorial jurisdiction mentioned against their names in column no. 3 of the table to try the cases under the BIHAR CONDUCT OF EXAMINATION ACT, 1981, which they can competently try under the code of Criminal Procedure, 1973.

These Officers are also vested with the powers conferrable on a Judicial Magistrate 2nd Class to try summarily the cases under the BIHAR CONDUCT OF EXAMINATION ACT, 1981, as are covered by Section 261 of the Cr.P.C.

They are also conferred with the powers to take cognizance of such cases which they have been authorized to try in their respective Territorial Jurisdiction.

Sl. No.	Name of Officer with designation and place of posting	Jurisdiction for which Powers are vested
1	2	3
1.	Sri Ram Niranjana Chaudhary, Senior Deputy Collector, Jamui	Jamui Subdivision
2.	Sri Vijay Kumar, S.D.O., Jamui	Jamui Subdivision
3.	Sri Sanjay Kumar, D.C.L.R., Jamui	Jamui Subdivision
4.	Sri Mitilesh Kumar Singh, Executive Magistrate, Jamui	Jamui Subdivision

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, Registrar General.

1 दिसम्बर 2016

सं० 524 नि०—अपने वर्तमान कर्तव्यों से विरमित होने पर मो० नजरे इमाम अंसारी, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, मधुबनी की सेवायें, पीठासीन पदाधिकारी, बिहार वक्फ न्यायाधिकरण, पटना (अल्पसंख्यक कल्याण, विभाग के अंतर्गत) के पद पर नियुक्ति हेतु राज्य सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, पटना को सौंपी जाती है, जिनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि अधिकतम तीन वर्षों की होगी।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 1st December, 2016

No. 524 A— On being relieved of his present assignment, the services of Sri Nazre Imam Ansari, Principal Judge, Family Court, Madhubani are placed at the disposal of the State government in the Department of General Administration Department, Patna for being placed at the disposal of the Minority

Welfare Department, the Government of Bihar, Patna for his appointment as Presiding Officer, Bihar Waqf Tribunal, Patna on deputation basis for a maximum period of three years.

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, *Registrar General*.

2 दिसम्बर 2016

सं० 526 नि०—अपने वर्तमान कर्तव्यों से विरमित होने पर श्री अभिमन्यु लाल श्रीवास्तव, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, सम्प्रति विशेष कार्य पदाधिकारी, राज्यपाल सचिवालय, पटना के रूप में प्रतिनियुक्त को पश्चिम चम्पारण स्थित बेतिया के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में स्थानान्तरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 2nd December, 2016

No. 526 A—On being relieved of his present assignment, Sri Abhimanyu Lal Srivastava, Principal Judge, Family Court, presently posted as O.S.D., Governor's Secretariat, Patna on deputation is transferred and posted as District and Sessions Judge of West Champaran at Bettiah.

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, *Registrar General*.

5 दिसम्बर 2016

सं० 535 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को स्तंभ-3 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	जिला का नाम
1.	2.	3.
1.	श्री सुनील कुमार सिंह-I, मुंसिफ, हिलसा।	नालंदा

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 5th December, 2016

No. 535 A—In exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Munsif (Civil Judge, Junior Division) named in column no. 2 of the table given below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class also for the district noted against his name in column no. 3 of the table.

Sl. No.	Name of Officers with designation and present place of posting with judgeship	Name of the District
1	2	3
1.	Sri Sunil Kumar Singh-I, Munsif, Hilsa	Nalanda

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, *Registrar General*.

7 दिसम्बर 2016

सं० 536 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-13 की उप-धारा (1) (अधिनियम 2, 1974) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित कार्यपालक पदाधिकारियों को न्यायालय की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष के लिए बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 के अधीन उन वादों को जिन्हें वे दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत क्षमतापूर्वक निष्पादित कर सकते हैं के निष्पादन हेतु तालिका के स्तंभ-3 में उल्लिखित क्षेत्राधिकार के लिए द्वितीय श्रेणी का विशेष न्यायिक दंडाधिकारी नियुक्त करता है।

उन्हें संहिता की धारा 261 के अंतर्गत बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 में वर्णित वादों के संक्षिप्त विचारण के लिए द्वितीय श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

उन्हें अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उन वादों में जिसका निष्पादन करने के लिए उन्हें प्राधिकृत किया गया है, संज्ञान लेने की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं स्थान जहाँ वे पदस्थापित हैं	क्षेत्राधिकार जहाँ के लिए शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं
1.	2.	3.
1.	श्रीमती आशा कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, जहानाबाद	जहानाबाद अनुमण्डल
2.	श्रीमती किन्जालिका सिन्हा, कार्यपालक दण्डाधिकारी, जहानाबाद	जहानाबाद अनुमण्डल

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 7th December, 2016

No. 536 A—In exercise of powers conferred upon the High Court under Sub-Section (1) of Section 13 of the Code of Criminal Procedure 1973 (Act 2 of 1974) the executive Officers named in column no. 2 of the table given below are appointed as Special Judicial Magistrate 2nd Class for a period of one year with effect from the date of notification within the territorial jurisdiction mentioned against their names in column no. 3 of the table to try the cases under the BIHAR CONDUCT OF EXAMINATION ACT, 1981, which they can competently try under the code of Criminal Procedure, 1973.

These Officers are also vested with the powers conferrable on a Judicial Magistrate 2nd Class to try summarily the cases under the BIHAR CONDUCT OF EXAMINATION ACT, 1981, as are covered by Section 261 of the Cr. P.C.

They are also conferred with the powers to take cognizance of such cases which they have been authorized to try in their respective Territorial Jurisdiction.

Sl. No.	Name of Officer with designation and place of posting	Jurisdiction for which Powers are vested
1	2	3
1.	Smt. Asha Kumari, Executive Magistrate, Jehanabad	Jehanabad Subdivision
2.	Smt. Kinjalika Sinha, Executive Magistrate, Jehanabad	Jehanabad Subdivision

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, *Registrar General*.

7 दिसम्बर 2016

सं० 537 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा-13 की उप-धारा (1) (अधिनियम 2, 1974) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित कार्यपालक पदाधिकारियों को न्यायालय की अधिसूचना की तिथि से एक वर्ष के लिए बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 के अधीन उन वादों को जिन्हें वे दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत क्षमतापूर्वक निष्पादित कर सकते हैं के निष्पादन हेतु तालिका के स्तंभ-3 में उल्लिखित क्षेत्राधिकार के लिए द्वितीय श्रेणी का विशेष न्यायिक दंडाधिकारी नियुक्त करता है।

उन्हें संहिता की धारा-261 के अंतर्गत बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 में वर्णित वादों के संक्षिप्त विचारण के लिए द्वितीय श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं।

उन्हें अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उन वादों में जिसका निष्पादन करने के लिए उन्हें प्राधिकृत किया गया है, संज्ञान लेने की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं स्थान जहाँ वे पदस्थापित हैं	क्षेत्राधिकार जहाँ के लिए शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं
1.	2.	3.
1.	श्री रविन्द्र कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी, हाजीपुर	हाजीपुर अनुमण्डल
2.	श्री स्वप्निल, भूमि सुधार उप समाहर्ता, हाजीपुर	हाजीपुर अनुमण्डल
3.	श्रीमती नीरा वर्मा, कार्यपालक दण्डाधिकारी, हाजीपुर	हाजीपुर अनुमण्डल

उच्च न्यायालय के आदेश से,
विनोद कुमार सिन्हा, महानिबंधक।

The 7th December, 2016

No. 537 A—In exercise of powers conferred upon the High Court under Sub-Section (1) of Section 13 of the Code of Criminal Procedure 1973 (Act 2 of 1974) the executive Officers named in column no. 2 of the table given below are appointed as Special Judicial Magistrate 2nd Class for a period of one year with effect from the date of notification within the territorial jurisdiction mentioned against their names in column no. 3 of the table to try the cases under the BIHAR CONDUCT OF

EXAMINATION ACT, 1981, which they can competently try under the code of Criminal Procedure, 1973.

These Officers are also vested with the powers conferrable on a Judicial Magistrate 2nd Class to try summarily the cases under the BIHAR CONDUCT OF EXAMINATION ACT, 1981, as are covered by Section 261 of the Cr. P.C.

They are also conferred with the powers to take cognizance of such cases which they have been authorized to try in their respective Territorial Jurisdiction.

Sl. No.	Name of Officer with designation and place of posting	Jurisdiction for which Powers are vested
1	2	3
1.	Sri Ravindra Kumar, S.D.O., Hajipur	Hajipur Subdivision
2.	Sri Swapnil, D.C.L.R., Hajipur	Hajipur Subdivision
3.	Smt. Neera Verma, Executive Magistrate, Hajipur	Hajipur Subdivision

By Order of the High Court,
V. K. Sinha, *Registrar General*.

9 दिसम्बर 2016

सं० 543 नि०—श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रोहतास (सासाराम) को श्री विनोद कुमार सिन्हा के स्थान पर, माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति के आदेशानुसार पटना उच्च न्यायालय, पटना का महानिबंधक नियुक्त किया जाता है।

मुख्य न्यायाधिपति के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, प्रभारी महानिबंधक।

The 9th December, 2016

No. 543 A— Hon'ble the Acting Chief Justice has been pleased to appoint Sri Prakash Chandra Jaiswal, District and Sessions Judge, Rohtas at Sasaram, as Registrar General, Patna High Court, Patna vice Sri Vinod Kumar Sinha.

By Order of the Hon'ble, The Acting chife Justice
(Sd.) Illigible, *Registrar General*.

16 दिसम्बर 2016

सं० 546 नि०—श्री बजरंगी शरण, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, अररिया को सितामढ़ी के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 16th December, 2016

No. 546 A— Shri Bajrangi Sharan, Principal Judge, Family Court, Araria is transferred and posed as District and Sessions Judge of Sitamarhi.

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, *Registrar General*.

16 दिसम्बर 2016

सं० 547 नि०—श्री प्रभु नाथ सिंह, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, समस्तीपुर को सासाराम (रोहतास) के जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 16th December, 2016

No. 547 A—Shri Prabhu Nath Singh, Principal Judge, Family Court, Samastipur is transferred and posed as District and Sessions Judge of Rohtas at Sasaram.

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, *Registrar General*.

19 दिसम्बर 2016

सं० 551 नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पुनः दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को स्तम्भ-4 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ नियुक्त किए गये हैं।	जिला का नाम
1	2	3	4
1	श्री किशोर कुणाल, मुंसिफ, अरवल। (संप्रति विशेष कार्य पदाधिकारी, बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के रूप में प्रतिनियुक्त)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अरवल स) जहानाबाद	जहानाबाद

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 19th December, 2016

No. 551 A— The Judicial Officer of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below is appointed as Judicial Magistrate in the Judgeship and station mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the officer named below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the District noted against his name in column no. 4 of the table.

Sl. No.	Name of the Officer with designation and present place of posting	(a) Designation at the new station. b) Place where the Officer is to be ordinarily stationed. c) Name of the Judgeship in which posted.	Name of the District
1.	2.	3.	4.
1.	Sri Kishor Kunal, Munsif, Arwal (Presently on deputation as O.S.D. at Bihar State Legal Service Authority, Patna)	a) Judicial Magistrate b) Arwal c) Jehanabad	Jehanabad

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, Registrar General.

19 दिसम्बर 2016

सं० 552 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को स्तम्भ-3 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	जिला का नाम
1	2	3
1.	श्री राकेश कुमार राकेश, मुंसिफ, अरवल। (जहानाबाद)	जहानाबाद

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 19th December, 2016

No. 552 A— In exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Munsif (Civil Judge, Junior Division) named in column no. 2 of the table given below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class also for the district noted against his name in column no. 3 of the table.

Sl. No.	Name of Officers with designation and present place of posting with judgship	Name of the District
1	2	3
1.	Sri Rakesh Kumar Rakesh, Munsif, Arwal (Jehanabad)	Jehanabad

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, Registrar General.

22 दिसम्बर 2016

सं० 553 नि०—अपने वर्तमान कर्तव्यों से विरमित होने पर श्रीमति ज्योति कुमारी, असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि), संप्रति सहायक निबंधक (अनुसंधान), उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के पद पर प्रतिनियुक्त, को सीतामढ़ी जजी में अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है। वे साधारणतया सीतामढ़ी में अधिष्ठित रहेंगी।

पुनः दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा—11 की उप—धारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय, उपरोक्त अवर न्यायाधीश (असैनिक न्यायाधीश, वरीय कोटि) को उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियां प्रदान करता है, बशर्ते उनके द्वारा निष्पादित दीवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 22nd December, 2016

No. 553 A—On being relieved of her present assignment Smt. Jyoti Kumari, Civil Judge (Senior Division) presently posted on deputation as Assistant Registrar (Research), Supreme Court of India, New Delhi is appointed as Sub Judge-cum-A.C.J.M. in the Judgship of Sitamarhi to be stationed ordinarily at Sitamarhi.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Subordinate Judge named above, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned District, provided that she shall work in such a way that her disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, Registrar General.

22 दिसम्बर 2016

सं० 554 नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ—2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) को उसी तालिका के स्तम्भ—3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर मुंसिफ एवं उच्च न्यायालय द्वारा दंडाधिकारी की आवश्यक शक्तियां प्रदान किये जाने पर न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पदाधिकारी को आवश्यकतानुसार, बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्ट बिहार एमेंडमेंट ऐक्ट—2013 (ऐक्ट XIV, 2014) द्वारा संबोधित बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्टस ऐक्ट, 1887 (ऐक्ट XII, 1887) की धारा 19 की उपधारा (2) के अन्तर्गत उक्त तालिका के स्तम्भ—4 में यथानिर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के भीतर होने वाले मौलिक वादों की साधारण प्रक्रिया के अधीन निष्पादन की शक्तियां प्रदान की जाती है।

सम्बन्धित पदाधिकारी को उसी स्तम्भ—4 में निर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकारी के अन्दर लघुवाद न्यायालय द्वारा संज्ञेय वादों के निष्पादन के लिए ऐसे न्यायालय के न्यायाधीश की शक्तियां भी प्रदान की जाती है।

स्तम्भ—4 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग तबतक नहीं किया जाय जबतक कि वे बिहार राज्य पत्र या जिला राज्यपत्र में अधिसूचित न हो जायें।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान जजी सहित	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहा नियुक्त कि गये हैं	नये स्थान पर अधिकारियों को प्रदान की गयी विशेष शक्तियाँ अ) बंगाल, आगरा एण्ड आसाम सिविल कोर्ट ऐक्ट के अंतर्ग (साधारण प्रक्रिया) ब) प्रोविन्सीयल स्मॉल कोजेज कोर्टस ऐक्ट 1987 के अंतर्गत
1	2	3	4
1.	श्री धीरेंद्र कुमार राय, प्रथम न्यायिक दंडाधिकारी, मंझौल। (बेगूसराय)	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) मंझौल स) बेगूसराय	अ) मंझौल मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) मंझौल मुंसिफी की स्थानी सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 22nd December, 2016

No. 554 A— The judicial officer of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below is appointed as Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) in the judgeship and station mentioned in the column no. 3.

As mentioned in column no. 4, the officer is also vested with the powers under Sub-section (2) of Section-19 of the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Acts, 1887, (act XII of 1887) as amended by the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Bihar Amendment Act, 2013 (Act 14 of 2014) to try under ordinary procedure original suits of Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

As further mentioned in column no. 4, the officer is also vested with powers of the Court of small causes for the trial of suits cognizable by such a Court with the necessary Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

The powers vested as per column no. 4, should not, however, be exercised by the officer concerned unless it is published in the Bihar Gazette or in the District Gazette.

Sl. No.	Name of the Officer with designation and present place of posting with judgeship	a) Designation at the new station. b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily. c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Special Power with which the Officer is vested at the new station a) Under the Bengal, Agra and Assam Civil Court Acts (under ordinary procedure). b) Under the provincial small causes Courts Act, 1987
1	2	3	4
1	Sri Dharendra Kumar Ray, J.M. 1 st Class, Manjhaul (Begusarai)	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Manjhaul c) Begusarai	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Manjhaul Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Manjhaul Munsifi.

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, Registrar General.

22 दिसम्बर 2016

सं० 555 नि०— दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) को स्तंभ-3 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	जिला का नाम
1	2	3
1.	श्री धीरेंद्र कुमार राय, मुंसिफ, मुझौल।	बेगूसराय

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 22nd December, 2016

No. 555 A—In exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Munsif (Civil Judge, Junior Division) named in column no. 2 of the table given below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class also for the district noted against his name in column no. 3 of the table.

Sl. No.	Name of Officer with designation and present place of posting with judgeship	Name of the District
1	2	3
1.	Sri Dharendra Kumar Ray, Munsif, Majhaul (Begusarai)	Begusarai

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, Registrar General.

23 दिसम्बर 2016

सं० 559 नि०—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित परिक्षेमान, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) को स्तंभ-3 में उनकी नाम के सामने अंकित जिला के लिए द्वितीय श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	जिला का नाम
1	2	3
1.	श्री राजेश कुमार, परिक्षेमान मुंसिफ, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि), आरा।	भोजपुर

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जायसवाल, महानिबंधक।

The 23th December, 2016

No. 559 A— In exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the Probationary Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below, the powers of a Judicial Magistrate of the 2nd Class for the district noted against his name in column no. 3 of the table.

Sl. No.	Name of Officers with designation and present place of posting.	Name of the District
1	2	3
1.	Sri Rajesh Kumar, Probationary Munsif, Civil Judge (Junior Division), Ara.	Bhojpur

By Order of the High Court,
P. C. Jaiswal, Registrar General.

**गृह विभाग
(आरक्षी शाखा)**

अधिसूचनाएं

29 अप्रैल 2016

सं० 2/एल०1-20-03/2016 गृ०आ०-3386—श्री ललन कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) बाँका को दिनांक 06.02.2015 से 21.02.2015 तक चिकित्सीय आधार पर बितायी गयी कुल 16 (सोलह) दिनों की अवकाश अवधि को बिहार सेवा संहिता के नियम-232 के आलोक में कुल 32 (बत्तीस) दिनों के अर्द्धवैतनिक अवकाश (एच०पी०एल०) के रूप में घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रामजीवन सत्यार्थी उप-सचिव।

6 जुलाई 2016

सं० 2/पी०5-20-02/2013गृ०आ०-5223—बिहार पुलिस सेवा के निम्नलिखित वरीय पुलिस उपाधीक्षकों को अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर वेतनमान-पे बैंड 3+ ग्रेड पे 7600/- में आदेश निर्गत की तिथि से औपबंधिक प्रोन्नति प्रदान की जाती है।

क्र०	पदाधिकारियों का नाम	मूल कोटि में कोटि क्रमांक (वर्ष 2014)
1.	श्री पंकज कुमार	51/14
2.	श्री अशोक कुमार प्रसाद	52/14
3.	श्री विजय कुमार	53/14
4.	श्री राकेश कुमार दुबे	54/14
5.	श्री चन्द्रशेखर प्रसाद विद्यार्थी	56/14
6.	श्री हरिमोहन शुक्ला	57/14
7.	श्री संजय भारती	55/14
8.	श्री शैशव यादव	64/14
9.	श्री अनंत कुमार राय	66/14
10.	श्री राजेश कुमार नं०-1	67/14
11.	श्री मो० कासिम	68/14
12.	सुश्री कामिनी बाला	70/14

2. प्रोन्नति का आर्थिक लाभ पदभार ग्रहण करने की तिथि से देय होगा।

3. प्रोन्नति के फलस्वरूप वेतन का नियतन मौलिक नियमावली के नियम-22(1)(A)(1) में निहित प्रावधान के अन्तर्गत किया जायेगा।

4. इस आदेश के तहत दी गई संवर्गीय प्रोन्नति औपबंधिक होगी तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन एस०एल०पी० (सी०) संख्या-29770/2015 में पारित आदेश के फलाफल से प्रभावित होगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
देव नारायण मंडल, संयुक्त सचिव

22 अगस्त 2016

सं० 2/पी०5-20-02/2013गृ०आ०-6536—श्री तौहिद परवेज (मूल कोटि वरीयता क्रमांक 86/09, क्रमांक-18/14) को अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर, वेतनमान-पे बैंड 3+ग्रेड पे 7600/- में दिनांक 31.12.2012 के प्रभाव से प्रोन्नति प्रदान की जाती है।

2. प्रोन्नति का आर्थिक लाभ श्री तौहिद परवेज से सामान्य कोटि के ठीक कनीय श्री शशि भूषण शर्मा (88/09) को अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदभार ग्रहण की तिथि दिनांक 31.12.2012 से देय होगा।

3. भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति के प्रस्ताव पर वित्त विभाग का सहमति प्राप्त है।

4. प्रोन्नति के फलस्वरूप वेतन का नियतन मौलिक नियमावली के नियम-22(1)(A)(1) में निहित प्रावधान के अन्तर्गत किया जायेगा।

5. यह प्रोन्नति माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन एस०एल०पी० (सी०) संख्या-29770/2015 में पारित आदेश के फलाफल से प्रभावित होगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
देव नारायण मंडल, संयुक्त सचिव।

22 सितम्बर 2016

सं० 2/पी05-20-02/2013गृ0आ0-7615—सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना के पत्र सं०-4800 दिनांक 01.04.2016 में निहित प्रावधान के आलोक में बिहार पुलिस सेवा के निम्नांकित तीन वरीय पुलिस उपाधीक्षकों को अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर वेतनमान पे बैंड-3+ग्रेड वेतन रु० 7600/- में औपबधिक प्रोन्नति प्रदान की जाती है :-

क्र०	नाम	मूल वरीयता क्रमांक
1.	2	3
1.	श्री अमृतेन्दु शेखर ठाकुर	71 / 14
2.	श्री ललित मोहन शर्मा	72 / 14
3.	श्री हरिशंकर कुमार	74 / 14

2. प्रोन्नति का आर्थिक लाभ पदभार ग्रहण करने की तिथि से देय होगा।

3. प्रोन्नति के फलस्वरूप वेतन का नियतन मौलिक नियमावली के नियम-22 (I) (A) (I) में निहित प्रावधान के आलोक में किया जायेगा तथा इस संबंध में पदाधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत अपना विकल्प देना होगा।

4. यह प्रोन्नति माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन एस०एल०पी० (सी०) सं०-29770/2015 बिहार सरकार बनाम सुशील कुमार सिंह एवं अन्य में पारित आदेश के फलाफल से प्रभावित होगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
देव नारायण मंडल, संयुक्त सचिव।

16 अगस्त 2016

सं० 2/पी05-20-01/2013गृ0आ0-7486—सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना के पत्र सं०-4800 दिनांक 01.04.2016 में निहित आदेश के आलोक में बिहार पुलिस सेवा के निम्नांकित अपर पुलिस अधीक्षकों को आदेश निर्गत की तिथि से स्टाफ ऑफिसर के पद पर वेतनमान-पे बैंड-4+ग्रेड पे-रु० 8700/- में औपबधिक प्रोन्नति प्रदान की जाती है :-

क्रमांक	नाम	मूल वरीयता क्रमांक 2014
1	श्री मो० फरोगुद्दीन	14
2	श्री नीलेश कुमार	16
3	श्री मृत्युंजय कुमार चौधरी	17

2. प्रोन्नति का आर्थिक लाभ प्रोन्नत पद पर पदभार ग्रहण करने की तिथि से देय होगा।

3. प्रोन्नति के फलस्वरूप वेतन का नियतन मौलिक नियमावली के नियम-22 (1) (A) (1) में निहित प्रावधान के आलोक में किया जायेगा तथा इस संबंध में पदाधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत अपना विकल्प देना होगा।

4. यह प्रोन्नति माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन एस०एल०पी० (सी०) सं०-29770/2015, बिहार सरकार बनाम सुशील कुमार सिंह एवं अन्य में पारित आदेश के फलाफल से प्रभावित होगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
देव नारायण मंडल, संयुक्त सचिव।

3 नवम्बर 2016

सं० 1/एल०-10-04/2015 गृ०आ०-8742—श्री चन्दन कुमार कुशवाहा, भा०पु०से० (2010), तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, रोहतास सम्प्रति नगर पुलिस अधीक्षक (मध्य), पटना को अपनी शादी हेतु अखिल भारतीय सेवाएं (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11 एवं 20 के अन्तर्गत दिनांक 21.02.2015 से 13.03.2015 तक कुल 21 (इक्कीस) दिनों की उपार्जित अवकाश की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

8 दिसम्बर 2016

सं० 1/एल०-10-03/2012 गृ०आ०-9656—श्री सौरभ कुमार शाह, भा०पु०से० (2009), पुलिस अधीक्षक, सीवान को निजी कार्य हेतु अखिल भारतीय सेवाएं (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11 एवं 20 के अन्तर्गत दिनांक 12.12.2016 से 06.01.2017 तक कुल 26 (छब्बीस) दिनों की उपार्जित अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2. श्री शाह के अवकाश अविध में श्री राजेश कुमार, भा०पु०से० (2003), समादेष्टा, बि०सै०पु०-05, पटना अपने कार्यों के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीवान के प्रभार में रहेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

8 दिसम्बर 2016

सं० 1/एल1-10-18/2012 गृ०आ०-9657— श्री परेश सक्सेना, भा०पु०से० (1994), अपर-महासमादेष्टा, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशाम सेवाएँ, बिहार, पटना को अपने चिकित्सा हेतु अखिल भारतीय सेवाएँ (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11, 12, 13 एवं 20 के अन्तर्गत दिनांक 19.01.2016 से 30.06.2016 तक की अवकाश अवधि को निम्नरूप से अवकाश स्वीकृत कर विनियमित किया जाता है :-

- (i) दिनांक 19.01.2016 से 19.02.2016 तक कुल 32 (बत्तीस) दिनों का रूपांतरित अवकाश ।
- (ii) दिनांक 28.03.2016 से 28.04.2016 तक कुल 32 (बत्तीस) दिनों का उपार्जित अवकाश ।
- (ii) दिनांक 02.05.2016 से 30.06.2016 तक कुल 60 (साठ) दिनों का उपार्जित अवकाश ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव ।

8 दिसम्बर 2016

सं० 1/एल1-10-10/2013 गृ०आ०-9658—श्रीमती निताशा गुड़िया, भा०पु०से० (2008) समादेष्टा, बिहार सैन्य पुलिस-13, दरभंगा को अखिल भारतीय (छुट्टी) नियमावली, 1955 के नियम-18 (1) के आलोक में दिनांक 15.12.2016 से 12.06.2017 तक कुल 180 (एक सौ अस्सी) दिनों के मातृत्व अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

2. श्रीमती गुड़िया के अवकाश अवधि में उनके द्वारा धारित पद के प्रभार में श्री बाबु राम, भा०पु०से० (2009) सम्प्रति पदस्थापन की प्रतीक्षा में रहेंगे ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव ।

16 दिसम्बर 2016

सं० 1/एल1-10-13/2016 गृ०आ०-9826—श्री पुष्कर आनन्द, भा०पु०से० (2009), समादेष्टा, अश्वारोही सैन्य पुलिस, आरा को अखिल भारतीय सेवाएँ (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11 एवं 20 के अन्तर्गत निम्नांकित अवधियों के लिए उपार्जित अवकाश की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है :-

- (i) दिनांक 08.04.2016 से दिनांक 21.04.2016 तक—14 दिन
- (ii) दिनांक 05.05.2016 से दिनांक 23.05.2016 तक— 19 दिन

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव ।

10 जनवरी 2017

सं० 1/पी०3-01/2016 गृ०आ०-126—श्री संजीव कुमार सिंघल, भा०पु०से० (1988), अपर पुलिस महानिदेशक, सैन्य पुलिस, बिहार, पटना को अपने परिवार के सदस्यों के साथ पर्यटन के उद्देश्य से दुबई (यू०ए०ई०) भ्रमण हेतु दिनांक 04 एवं 05.02.2017 तथा दिनांक 11 एवं 12.02.2017 के शनिवारीय एवं रविवारीय अवकाश को क्रमशः Prefix एवं Suffix के साथ, दिनांक 06.02.2017 से 10.02.2017 तक कुल 05 (पाँच) दिनों का Ex India Leave आकस्मिक अवकाश के रूप में उपभोग करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

2. श्री सिंघल के उक्त अवकाश अवधि में उनके द्वारा धारित पद के अतिरिक्त प्रभार में पुलिस महानिरीक्षक, सैन्य पुलिस, बिहार, पटना रहेंगे ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव ।

12 जनवरी 2017

सं० 1/एल1-10-09/2008 गृ०आ०-265—श्री एम० सुनील कुमार नायक, भा०पु०से० (2005), पुलिस अधीक्षक, ए०टी०एस०, बिहार, पटना को अपने पिता के ईलाज एवं देखभाल हेतु अखिल भारतीय सेवाएँ (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11 एवं 20 के अन्तर्गत दिनांक 16.08.2016 से 28.10.2016 तक कुल 74 (चौहत्तर) दिनों की उपार्जित अवकाश की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव ।

19 जनवरी 2017

सं० 1/एल०1-10-20/2013 गृ०आ०-486—विभागीय अधिसूचना संख्या-5272, दिनांक 08.07.2016 द्वारा श्री आशीष भारती, भा०पु०से० (2011), तत्कालीन सहायक पुलिस अधीक्षक, पूर्वी, मुजफ्फरपुर पटना सम्प्रति पुलिस अधीक्षक, मुंगेर को अखिल भारतीय सेवाएँ (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11 एवं 20 के अन्तर्गत उपभोग किये गये अवकाश

दिनांक 24.10.2013 से 07.12.2013 तक कुल 45 (पैंतालीस) दिनों की उपार्जित अवकाश एवं दिनांक 08.12.2013 से 10.12.2013 तक कुल 03 (तीन) दिनों के अर्द्धवैतनिक अवकाश की घटनोत्तर स्वीकृति पूर्व में प्रदान की गयी थी।

2. अतः महालेखाकार (ले० एवं ह०), बिहार, पटना से प्राप्त परामर्शानुसार विभागीय अधिसूचना संख्या-5272, दिनांक 08.07.2016 को संशोधित करते हुए श्री आशीष भारती, भा०पु०से० (2011), द्वारा उपभोग किये गये अवकाश दिनांक 24.10.2013 से 20.11.2013 तक कुल 28 (अठाईस) दिनों की उपार्जित अवकाश एवं दिनांक 21.11.2013 से 10.12.2013 तक कुल 20 (बीस) दिनों का अर्द्धवैतनिक अवकाश की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

30 जनवरी 2017

सं० 1/एल०१-10-21/2013 गृ०आ०-838—श्रीमती अनुपमा निलेकर चन्द्रा, भा०पु०से० (1994), पुलिस महानिरीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना को अखिल भारतीय सेवाएं (अवकाश) नियमावली-1955 के नियम 18 (D) के आलोक में दिनांक 23.12.2016 से 31.03.2017 तक कुल 99 (निन्यानवे) दिनों की शिशु देखभाल अवकाश (Child Care Leave) की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2. श्रीमती चन्द्रा के उक्त अवकाश अवधि में उनके द्वारा धारित पद के अतिरिक्त प्रभार में श्री रत्न संजय कटियार, भा०पु०से० (1998), पुलिस महानिरीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, बिहार, पटना रहेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

13 फरवरी 2017

सं० 1/एल०१-10-08/2009 गृ०आ०-1225—श्री रविन्द्र कुमार, भा०पु०से० (1984), पुलिस महानिदेशक-सह-आयुक्त, नागरिक सुरक्षा (अतिरिक्त प्रभार महानिदेशक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो), बिहार, पटना को चिकित्सा कारणों से अखिल भारतीय सेवाएं (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11, 12, 13 एवं 20 के अन्तर्गत निम्नरूप से अवकाश स्वीकृत किया जाता है :-

- (i) दिनांक 08.10.2016 से 18.10.2016 तक कुल 11 (ग्यारह) दिनों का उपार्जित अवकाश।
- (ii) दिनांक 19.10.2016 से 30.10.2016 तक कुल 12 (बारह) दिनों का रूपांतरित अवकाश (12x2=24 दिनों के अर्द्धवैतनिक अवकाश के समतुल्य)।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

20 फरवरी 2017

सं० 1/एल 1-10-03/2017 गृ०आ०-1509—श्री विनय तिवारी, भा०पु०से० (2015), परीक्ष्यमान सहायक पुलिस अधीक्षक, बेगुसराय को अखिल भारतीय सेवाएं (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 15 के अन्तर्गत दिनांक 15.02.2017 से 15.11.2017 तक कुल 274 (दो सौ चौहत्तर) दिनों की असाधारण अवकाश (अवैतनिक) की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

20 फरवरी 2017

सं० 1/एल 1-10-15/2015 गृ०आ०-1510—श्री निशान्त कुमार तिवारी, भा०पु०से० (2005), पुलिस अधीक्षक, पूर्णियाँ को अपनी माँ एवं पिता का ईलाज दिल्ली में कराने एवं स्वयं के आवश्यक निजी कार्य हेतु अखिल भारतीय सेवाएं (छुट्टी) नियमावली-1955 के नियम 10, 11 एवं 20 के अन्तर्गत दिनांक 26.02.2017 से 07.03.2017 तक कुल 10 (दस) दिनों की उपार्जित अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2. श्री तिवारी के अवकाश अवधि में श्रीमती मीनू कुमारी, भा०पु०से० (2010), समादेष्टा, बि०सै०पु०-07, कटिहार अपने कार्यों के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पूर्णियाँ के प्रभार में रहेंगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

शिक्षा विभाग

अधिसूचनाएं

20 फरवरी 2017

सं० 2/टी09-01/17-223—विभागीय आदेश संख्या-507 दिनांक 01.03.16 द्वारा श्री ध्रुव नारायण प्रसाद को अवर शिक्षा सेवा (प्रा0शा0) से बिहार शिक्षा सेवा वर्ग-2 में प्रोन्नति दी गयी।

2. उक्त आदेश के आलोक में श्री प्रसाद दिनांक 04.03.16 के पूर्वाह्न में पदस्थापन हेतु योगदान दिए।

3. पदस्थापन की प्रतीक्षारत श्री ध्रुव नारायण प्रसाद (वरीयता क्रमांक-349/16) को अगले आदेश तक जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, औरंगाबाद के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुशील कुमार, निदेशक (प्रशासन)—सह-अपर सचिव।

20 फरवरी 2017

सं० 2/टी09-01/17-224—विभागीय आदेश संख्या-1783 दिनांक 12.09.16 द्वारा श्री जवाहर प्रसाद को अवर शिक्षा सेवा (प्रा0शा0) से बिहार शिक्षा सेवा वर्ग-2 में प्रोन्नति दी गयी। उक्त आदेश के आलोक में श्री प्रसाद दिनांक 19.09.16 के पूर्वाह्न में बिहार शिक्षा सेवा वर्ग-2 के पद पर पदस्थापन हेतु योगदान दिए।

2. पदस्थापन की प्रतीक्षारत श्री जवाहर प्रसाद (वरीयता क्रमांक-348/16) को अगले आदेश तक जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, औरंगाबाद के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुशील कुमार, निदेशक (प्रशासन)—सह-अपर सचिव।

20 फरवरी 2017

सं० 2/टी09-01/17-225—विभागीय आदेश ज्ञापांक-1957 दिनांक 14.11.16 द्वारा श्री कपिलदेव प्रसाद यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी, शिवहर को मुख्यालय में योगदान देने का निदेश दिया गया। उक्त आदेश के आलोक में श्री यादव, दिनांक 18.11.16 को जिला शिक्षा पदाधिकारी, शिवहर के पद का प्रभार सौंपकर दिनांक 23.11.16 के पूर्वाह्न में मुख्यालय में योगदान दिए।

2. श्री कपिलदेव प्रसाद यादव (वरीयता क्रमांक-78/16), तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी, शिवहर-सम्प्रति पदस्थापन की प्रतीक्षा में, को अपने ही वेतनमान में बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड, पटना में पदस्थापित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुशील कुमार, निदेशक (प्रशासन)—सह-अपर सचिव।

20 फरवरी 2017

सं० 2/टी09-01/17-226—विभागीय आदेश ज्ञापांक-14 दिनांक 16.01.17 के आलोक में श्री मो0 जाहिद हुसैन द्वारा दिनांक 16.01.17 के पूर्वाह्न में पदस्थापन हेतु योगदान दिया गया।

2. पदस्थापन की प्रतीक्षारत श्री मो0 जाहिद हुसैन (वरीयता क्रमांक-77/16) को अपने ही वेतनमान में अगले आदेश तक सचिव, बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड, पटना के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुशील कुमार, निदेशक (प्रशासन)—सह-अपर सचिव।

वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचनाएं

16 फरवरी 2017

सं० 6/गो०-34-06/2016-590/वा०कर—श्री नवीन कुमार, वाणिज्य-कर उपायुक्त सम्प्रति पदस्थापन की प्रतीक्षा में (बिहार राज्य खाद्य निगम लि०, पटना के आदेश संख्या 172 दिनांक 10.01.2017 द्वारा पैतृक विभाग को सेवा वापस किये जाने के फलस्वरूप) को अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य-कर उपायुक्त, मुख्यालय, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

सं० 6/गो०-34-06/2016-591/वा०कर—श्री दीपक कुमार सेन गुप्ता, वाणिज्य-कर सहायक आयुक्त, (प्रभारी), तेघड़ा अंचल, तेघड़ा (सम्प्रति उपार्जित अवकाश पर) को अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य-कर सहायक आयुक्त, अंकेक्षण तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

सं० 6/गो०-34-06/2016-592/वा०कर—श्री हरेन्द्र कुमार मांझी, वाणिज्य—कर सहायक आयुक्त, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, पटना सम्प्रति प्रभारी, तेघड़ा अंचल के पद पर प्रतिनियुक्त को अगले आदेश तक के लिए वाणिज्य—कर सहायक आयुक्त, प्रभारी, तेघड़ा अंचल, तेघड़ा के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

2. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
अजीत कुमार राम, उप—सचिव।

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

20 फरवरी 2017

सं०— ई2-2-048/2010-04—बिहार सेवा संहिता के नियम 227, 230 एवं 248 में निहित प्रावधानों के अन्तर्गत श्री मो० नजरूल हक, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, दलसिंहसराय, समस्तीपुर को माँ के ईलाज हेतु दिनांक 01.07.2016 से 25.07.2016 तक कुल 25 (पचीस) दिनों के उपार्जित अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
सोहन कुमार ठाकुर, संयुक्त सचिव—सह—संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 50—571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।

पटना उच्च न्यायालय

(शुद्धि-पत्र)

4 नवम्बर 2016

सं० 72043-72134—न्यायालय के अधिसूचना संख्या 459 नि० दिनांक 21.10.2016 जो ज्ञापांक संख्या 59705-69795 दिनांक 21.10.2016 के द्वारा निर्गत किया गया था, जिसका संबंध मुंसिफ/इजराय मुंसिफ/न्यायिक दण्डाधिकारी के स्थानांतरण एवं पदस्थापन से है को निम्नलिखित मद में शुद्ध किया जाता है—

1. क्रमांक संख्या 68 के स्तम्भ संख्या 3 में लिखे जजी का नाम पुरेणा को पुर्णिया पढ़ा जाएगा।
2. क्रमांक संख्या 69 के स्तम्भ संख्या 3 में लिखे जजी का नाम पुरेणा को दरभंगा पढ़ा जाएगा।
शेष प्रविष्टियाँ पूर्ववत् रहेंगी।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
ए०पी० त्रिपाठी, महानिबंधक।

The 4th November, 2016

No. 72043-72134 — Court's Notification No. 459 A dated 21.10.2016 issued vide Memo No. 69705-69795 dated 21.10.2016, so far as it relates to transfer and posting of Munsifs / Execution Munsifs / Judicial Magistrates stands corrected in the following terms:-

1. Name of the judgeship mentioned at serial no. 68 in column no. 3 of the table shall be read as Purnea in place of Purena.
2. Name of the judgeship mentioned at serial no. 69 in column no. 3 of the table shall be read as Darbhanga in place of Purnea.

Other entries of the notification shall remain unchanged.

By Order of the High Court,
A. P. Tripathi, Registrar General.

(शुद्धि-पत्र)

4 नवम्बर 2016

सं० 72136-72186—न्यायालय के अधिसूचना संख्या 460 नि० दिनांक 22.10.2016 जो ज्ञापांक संख्या 69876-69927 दिनांक 22.10.2016 के द्वारा निर्गत किया गया था, जिसका संबंध प्रशिक्षु असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोर्ट) के स्थानांतरण एवं पदस्थापन से है को निम्नलिखित मद में शुद्ध किया जाता है—

1. क्रमांक संख्या 15 के स्तम्भ संख्या 3 में लिखे जजी का नाम मधुबनी को मधेपुरा पढ़ा जाएगा।
शेष प्रविष्टियाँ पूर्ववत् रहेंगी।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
ए०पी० त्रिपाठी, महानिबंधक।

The 4th November, 2016

No. 72136-72186— Court's Notification No. 460 A dated 22.10.2016 issued vide Memo No. 69876-69927 dated 22.10.2016, so far as it relates to transfer and posting of Probationary Civil Judge (Junior Division) stands corrected in the following terms:-

1. Name of the judgeship mentioned at serial no. 15 in column no. 3 of the table shall be read as Madhepura in place of Madhubani.

Other entries of the notification shall remain unchanged.

By Order of the High Court,
A. P. Tripathi, Registrar General.

(शुद्धि-पत्र)

23 दिसम्बर 2016

सं० 84104-84117—उच्च न्यायालय के अधिसूचना संख्या 551 नि० और 552 नि० दिनांक 19.12.2016 जिसके के द्वारा पदाधिकारियों को जहानाबाद जिला के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की गई थी को इस हद तक संशोधित किया जाता है की जहानाबाद के स्थान पर अरवल पढ़ा जाय।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
पी०सी० जसवाल, महानिबंधक।

The 23rd December, 2016

No. 84104-84117— The name of the District for which the Magisterial powers of 1st Class have been vested to the officers, vide Court's Notification No. 551A and 552A dated 19.12.2016 stands modified to the extent that the same shall read as 'Arwal' in place of 'Jehanabad'.

**By Order of the High Court,
P.C. Jaiswal, Registrar General.**

सं० एसीस 03/नि०-02/2017-158/श्र०सं०

श्रम संसाधन विभाग

संकल्प

21 फरवरी 2017

विषय— श्रम संसाधन विभाग के नियंत्रणाधीन कर्मचारी राज्य बीमा योजनान्तर्गत राज्य से बाहर चिकित्सा हेतु बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों (रोगियों) को अनुशंसित करने के निमित्त चिकित्सा पर्षद के पुनर्गठन के संबंध में।

2. कर्मचारी राज्य बीमा योजनान्तर्गत कारखानों/प्रतिष्ठानों के बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों को राज्य से बाहर विशेषज्ञ चिकित्सा के निमित्त अनुशंसित करने हेतु राज्य स्तरीय चिकित्सा पर्षद का पुनर्गठन निम्न प्रकार किया जाता है :-

- (1) निदेशक चिकित्सा सेवायें, कर्मचारी राज्य बीमा योजना बिहार, पटना।
(यदि निदेशक, चिकित्सा सेवा संवर्ग के हो तो) अन्यथा अध्यक्ष
उप निदेशक चिकित्सा सेवायें, कर्मचारी राज्य बीमा योजना बिहार, पटना।
 - (2) क्षेत्रीय प्रशासकीय चिकित्सा पदाधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, सदस्य
पटना प्रक्षेत्र, पटना। सचिव
 - (3) कारखाना निरीक्षक (मेडिकल), बिहार, पटना। सदस्य
 - (4) पर्षद के अध्यक्ष को यह अधिकार होगा कि रोग से संबंधित कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत पटना क्षेत्र के दीघा/फुलवारीशरीफ/कंकडबाग चिकित्सालय में पदस्थापित अधिकतम दो विशेषज्ञ/चिकित्सक को बैठक में सहयोग के लिये बुला सकेंगे।
 - (5) पर्षद की बैठक में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत आने वाले रोगियों को राज्य से बाहर चिकित्सा के लिए भेजने के संबंध में अनुशंसा की जायेगी। तत्पश्चात् संबंधित रोगी राज्य से बाहर चिकित्सा के लिए जा सकेंगे।
 - (6) पर्षद की बैठक में भाग लेने वाले पदाधिकारी बिहार यात्रा भत्ता नियमावली के अन्तर्गत यात्रा भत्ता के हकदार होंगे।
- आदेश— आदेश दिया जाता है कि संकल्प को "बिहार राजपत्र" में प्रकाशित किया जाये, तथा सभी विभागों को इसकी सूचना दे दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 50—571+50-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-9(ख)

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय, सूचनाएं
और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।

सूचना

No. 219—I, NAVIN KUMAR F/O Adarsh Singh, Address- Vishal Ganga Appt. Anandpuri Patna-1 Wanted to Correct My name as Navin Kumar from Navin Kumar Singh as shown in School register for which Affidavit. No. 14403 Dated 22/12/2016 shows that both are same person.

NAVIN KUMAR.

No. 222—I, KUMARI RENU W/o Nitin Kumar Verma R/o Dadar Mandi, PO Gulzarbagh, PS – Alamganj, Dist- Patna, Pin- 800007 declare Vide Affidavit. No. 19238 Dated 18-11-16 that in my Daughter Anjali Verma Class X Certificate, Marksheet & SLC issued by CBSE, the name of The Mother is mentioned as Renu Kumari in place of correct name Kumari Renu. Hence forth I shall be known as Kumari Renu.

KUMARI RENU.

No. 223— I, NIKHITA SINGH D/O Shashi Ranjan Kumar Pandey R/O 104, Narayan Shri Apartment, Anandpuri, West Boring Canal Road, Patna. I have changed my name from Nikhita to Nikhita Singh hence this Affidavit No. 21 Dated 02.12.2016

NIKHITA SINGH.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 50—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

बिहार गजट

का

पूरक(अ0)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

योजना एवं विकास विभाग

अधिसूचना

17 फरवरी 2017

सं० यो०स्था०३/०३-०३/२०१६/७०५/यो०वि०—श्री पंकज कुमार गुप्ता, तत्कालीन साख आयोजक-सह-ग्रामीण विकास विशेषज्ञ, जिला योजना कार्यालय सिवान सम्प्रति सहायक निदेशक, क्षेत्रीय योजना कार्यालय, पूर्णिया प्रमंडल पूर्णिया के विरुद्ध अपने पदस्थापन अवधि के दौरान वरती गयी कतिपय अनियमितताओं के फलस्वरूप बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-२००५ के नियम-१७ के तहत विभागीय अधिसूचना संख्या-१४२७ दिनांक-२६.०५.२००९ के तहत विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की गयी।

२. श्री गुप्ता के विरुद्ध गठित आरोप पत्र प्रपत्र-‘क’ में लगाये गये आरोपों की जाँच हेतु तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर द्वारा मनोनीत प्रमंडल कार्यालय में पदस्थापित अपर समाहर्ता स्तर के पदाधिकारी को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

३. बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-२००५ में निहित प्रावधानों के तहत विभागीय कार्यवाही का संचालन कर आयुक्त तिरहुत प्रमंडल मुजफ्फरपुर के पत्रांक-०८ दिनांक ०७.०१.२०११ द्वारा संचालन पदाधिकारी-सह-उप निदेशक कल्याण, तिरहुत प्रमंडल मुजफ्फरपुर द्वारा संचालित जाँच प्रतिवेदन विभाग को प्रेषित किया गया। संचालन पदाधिकारी प्रेषित जाँच प्रतिवेदन पर विभागीय पत्रांक-१२१९ दिनांक १८.०४.२०११ द्वारा आरोपी पदाधिकारी से द्वितीय कारण पृच्छा की मांग की गयी।

४. श्री गुप्ता पर लगाए गये आरोप निम्नवत हैं:-

- (i) श्री राकेश कुमार एवं अन्य द्वारा दिनांक ०४.१२.२००६ से ३१.१२.२००६ तक नगर परिषद् सिवान में बी०पी०एल० सर्वेक्षण के किये गए कार्य में पारिश्रमिक के भुगतान हेतु पैसा माँगने का आरोप।
- (ii) श्री विजय प्रसाद एवं श्री मुकेश कुमार सिंह द्वारा श्री गुप्ता के विरुद्ध दर्ज तुरकौलिया थाना कांड संख्या-२४९/०१ दिनांक १४.१०.२००१ में दिनांक २९.११.२००१ से ०१.१२.२००१ तक मंडल कारा मोतिहारी में बंदी की अवधि का वेतन निकासी का आरोप।
- (iii) कुमारी कमलापति, प्रधान सहायक द्वारा श्री गुप्ता के विरुद्ध अपने अधीनस्थ कर्मियों के साथ असंसदीय भाषा एवं अभद्र व्यवहार का आरोप।
- (iv) कुमारी कमलापति, एवं श्री मुकेश कुमार सिंह द्वारा श्री गुप्ता के विरुद्ध कैमूर जिले से स्थानांतरण के बाद गलत ढंग से अपना अंतिम वेतन प्रमाण-पत्र अपने स्वयं के हस्ताक्षर से निर्गत करने का आरोप।
- (v) जिला योजना पदाधिकारी, सिवान के पद का प्रभार प्रतिवेदन में अपलेखन एवं जालसाजी कर अवैध निकासी का आरोप।

5. उपर्युक्त आरोपों पर संचालन पदाधिकारी द्वारा प्रेषित जॉच प्रतिवेदन एवं आरोपी पदाधिकारी द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा के उत्तर की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर की गयी एवं निम्नांकित आरोपों पर सहमति प्रकट की गयी:-

- (i) जिला योजना पदाधिकारी, सिवान के पद का प्रभार प्रतिवेदन में अपलेखन तथा जालसाजी कर अवैध वेतन की निकासी की गयी। श्री गुप्ता द्वारा दिनांक 10.09.2007 को प्रभार ग्रहण किया गया परन्तु तिथि का अपलेखन कर दिनांक 22.08.2007 दिखाया गया तथा ऐसा अप्रभार अवधि को विनियमित कराए बिना वेतन निकासी की सुविधा का लाभ प्राप्त करने हेतु किया गया।

श्री गुप्ता के विरुद्ध जिला योजना पदाधिकारी, सिवान के पद का प्रभार प्रतिवेदन में अपलेखन एवं जालसाजी कर अवैध वेतन निकासी का आरोप पूर्णतया प्रमाणित पाया गया है। यह आरोप सरकारी अभिलेख में अपलेखन एवं जालसाजी से संबंधित है जिसके आधार पर इसके द्वारा प्रभार रहित अवधि को बिना विनियमित कराए गलत सूचना देकर वेतन पर्ची प्राप्त कर कोषागार से अवैध निकासी कर ली गई है। अतः इसके द्वारा निहित स्वार्थवश इस अपलेखन का कार्य किया गया है।

- (ii) श्री गुप्ता के विरुद्ध तुरकौलिया थाना कांड संख्या-249/01 दर्ज होने के कारण दिनांक 29.11.2001 से दिनांक 01.12.2001 तक मंडल कारा मोतिहारी में बंदी अवधि की सूचना विभाग को नहीं दी गयी तथा उक्त अवधि का वेतन निकासी का आरोप आंशिक रूप से श्री गुप्ता पर प्रमाणित पाया गया।

6. उपर्युक्त आरोपों को श्री गुप्ता को संसूचित करते हुए द्वितीय कारण पृच्छा की गयी जिसमें उन्होंने कोई विशेष तर्क उपस्थापित नहीं किया है। उनका कहना है कि उन्हें ओभर राईटिंग किया हुआ वेतन पर्ची ही प्राप्त हुआ था। यह तथ्य साक्ष्यों से प्रमाणित नहीं होता है।

7. विभागीय अधिसूचना संख्या-1427 दिनांक 26.05.2009 द्वारा संचालित विभागीय कार्यवाही के प्राप्त जॉच प्रतिवेदन में प्रमाणित पाये गये आरोपों पर एवं जॉच प्रतिवेदन के आलोक में प्राप्त कारण पृच्छा के सम्यक समीक्षोपरांत प्रमाणित पाये गये आरोपों के कारण बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-14(X) के तहत श्री पंकज कुमार गुप्ता के बर्खास्तगी का निर्णय लिया गया।

8. अतः उपर्युक्त प्रमाणित आरोपों एवं प्राप्त कारण पृच्छा पर सम्यक विचारोपरांत सरकार द्वारा श्री पंकज कुमार गुप्ता, तत्कालीन साख आयोजन-सह-ग्रामीण विकास विशेषज्ञ, जिला योजना कार्यालय सिवान सम्प्रति सहायक निदेशक, क्षेत्रीय योजना कार्यालय, पूर्णिया प्रमंडल, पूर्णिया को तात्कालिक प्रभाव से बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-14(X) के तहत सरकारी सेवा से बर्खास्त (Dismissal) किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सुरेन्द्र कुमार राम, संयुक्त सचिव।

ग्रामीण विकास विभाग

अधिसूचना

20 फरवरी 2017

सं0 300917 ग्रा0वि0—श्री शैलेश कुमार केसरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, त्रिवेणीगंज, जिला- सुपौल को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के गठित धावा दल द्वारा दिनांक 11.01.2017 को 25,000 (पच्चीस हजार) रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने तथा निगरानी थाना कांड सं0- 002/2017 दिनांक 12.01.2017 दर्ज होने की सूचना निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पत्रांक- एस0आर0-002/2017 निग0-122/अप0शा0 दिनांक 18.01.2017 द्वारा प्राप्त हुई।

2. चूँकि श्री केसरी के विरुद्ध गंभीर कदाचार/भ्रष्टाचार का आरोप है तथा उन्हें रिश्वत लेते पकड़ा गया जिसके लिए उनके विरुद्ध निगरानी थाना कांड सं0- 002/2017 दिनांक 12.01.2017 दर्ज है। अतः सम्यक विचारोपरान्त श्री केसरी को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-9(2)(क) में निहित प्रावधान के आलोक में कारा निरोध की तिथि 11.01.2017 से अगले आदेश तक के लिए निलम्बित किया जाता है।

4. निलम्बन अवधि में श्री कुमार को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-10 के तहत अनुमान्य जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।
5. कारावास से मुक्त होने के उपरान्त श्री केसरी, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना में योगदान देंगे।
6. निलम्बनादेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
महेन्द्र भगत, उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 50—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>